MSNTARGET.COM

https://msntarget.com

ग़ाज़ा बना सबसे घातक! विश्व मानवीय दिवस पर UN का बड़ा खुलासा

विषय सूची (Table of Contents):

>> 2025 में भी नहीं थमा मौतों का सिलसिला अगस्त तक 265 मानवीय सहायताकर्मियों की गई ...

>> OCHA की चौंकाने वाली रिपोर्ट और आंकड़े...

>> अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून का खुला उल्लंघन...

>> ग़ाज़ा बना सबसे घातक स्थान अक्टूबर 2023 से अब तक 520 सहायताकर्मियों की मौत...

>> UNRWA कर्मियों पर सबसे बड़ा आघात...

>> लगातार दूसरे वर्ष सबसे खतरनाक संघर्ष क्षेत्र...

>> 2003 बगदाद बम विस्फोट की याद 22 पीड़ितों के सम्मान में यूएन मुख्यालय में स्मृति...

>> न्यूयॉर्क में आयोजित विशेष स्मरण सभा...

>> राहतकर्मियों के अदम्य साहस को नमन...

>> स्थानीय सहायताकर्मियों पर सबसे बड़ा खतरा ड्यूटी और घर दोनों जगह हो रहे हैं जानल...

>> ड्यूटी और आवास पर लक्षित हमले...

>> मध्य पूर्व में चिंताजनक हालात संयुक्त राष्ट्र ने कहा- दुनिया मानवीय कार्यकर्ता...

>> 446 सहायताकर्मियों पर हमले और अपहरण की घटनाएं...

>> वैश्विक समुदाय की उदासीनता पर सवाल...

>> मानवता के रक्षकों की सुरक्षा जरूरी अंतरराष्ट्रीय कानून के पालन और अपराधियों को ...

>> मानवता की रक्षा करने वालों की रक्षा का वैश्विक आह्वान...

>> अटूट संकल्प   ख़तरों के बावजूद पीछे नहीं हटेंगे ...

>> निष्कर्ष...

>> महत्वपूर्ण प्रश्न और उत्तर...

Latest Update:विश्व भर में आपदा और युद्ध क्षेत्रों में अपनी जान जोखिम में डालकर दूसरों की मदद करने वाले जांबाज राहतकर्मियों के लिए संयुक्त राष्ट्र ने गहरा शोक और चिंता व्यक्त की है। 19 अगस्त को आयोजित स्मरण कार्यक्रमों में शहीद मानवीय कार्यकर्ताओं को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

संकटग्रस्त क्षेत्रों में जीवनरक्षक सहायता पहुंचाने वाले मानवीय सहायताकर्मियों पर बढ़ते हमले पूरी दुनिया के लिए गंभीर चिंता का विषय बन चुके हैं। संयुक्त राष्ट्र और उसकी विभिन्न एजेंसियों ने स्पष्ट किया है कि राहतकर्मियों को निशाना बनाना सीधे तौर पर मानवता और अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानूनों पर प्रहार है।

इस ऐतिहासिक अवसर पर विभिन्न देशों में विशेष सभाओं का आयोजन किया गया, जिसमें सहायताकर्मियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और अपराधियों को सजा दिलाने की वैश्विक मांग दोहराई गई। साथ ही, नागरिक अधिकारों और नियमों से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियों के लिए आपवोटर आईडी गुम? बिना कार्ड 11 नवंबर को ऐसे डालें अपना वोट!जैसी रिपोर्ट भी देख

सकते हैं।

2025 में भी नहीं थमा मौतों का सिलसिला: अगस्त तक 265 मानवीय स

संयुक्त राष्ट्र द्वारा जारी ताजा आंकड़ों के अनुसार, सहायताकर्मियों के खिलाफ हिंसा के खतरनाक चलन में कोई कमी नहीं आई है। वर्ष 2025 के शुरुआती आठ महीनों में ही 14 अगस्त तक रिकॉर्ड 265 मानवीय सहायताकर्मी अपनी जान गंवा चुके हैं।

OCHA की चौंकाने वाली रिपोर्ट और आंकड़े

संयुक्त राष्ट्र मानवीय सहायता समन्वय एजेंसी (OCHA) ने चिंता व्यक्त की है कि यह आंकड़ा युद्धग्रस्त क्षेत्रों में सुरक्षा की बदहाल स्थिति को उजागर करता है। संकटग्रस्त क्षेत्रों में राहत सामग्री पहुंचाना हर दिन अधिक जोखिम भरा होता जा रहा है।

अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून का खुला उल्लंघन

OCHA प्रमुख टॉम फ्लेचर ने जिनेवा में आयोजित सम्मेलन में कहा कि सहायताकर्मियों, उनके वाहनों और राहत केंद्रों पर हमले सीधे तौर पर अंतरराष्ट्रीय कानून का घोर उल्लंघन हैं। इससे लाखों जरूरतमंदों तक पहुंचने वाली जीवनरेखा बाधित हो रही है।

टॉम फ्लेचर ने अपने संबोधन में स्पष्ट किया, किसी मानवीय सहायताकर्मी पर एक भी हमला, वास्तव में हम सभी पर और उन बेसहारा लोगों पर हमला है जिनकी हम सेवा करते हैं।

ग़ाज़ा बना सबसे घातक स्थान: अक्टूबर 2023 से अब तक 520 सहायता

युद्ध और भीषण संघर्ष का सामना कर रहा ग़ाज़ा पट्टी क्षेत्र लगातार दूसरे वर्ष भी मानवीय कार्यकर्ताओं के लिए दुनिया का सबसे जानलेवा स्थान बना हुआ है। यहां राहत कार्य करना सबसे चुनौतीपूर्ण साबित हो रहा है।

UNRWA कर्मियों पर सबसे बड़ा आघात

अक्टूबर 2023 से लेकर अब तक ग़ाज़ा में 520 मानवीय सहायताकर्मी मारे जा चुके हैं। इस भारी संख्या में अधिकांश कर्मचारी

फलस्तीनी शरणार्थियों के लिए कार्यरत संयुक्त राष्ट्र एजेंसी (UNRWA) के थे, जो जमीनी स्तर पर भोजन और चिकित्सा आपूर्ति में जुटे थे।

लगातार दूसरे वर्ष सबसे खतरनाक संघर्ष क्षेत्र

युद्ध क्षेत्रों में सुरक्षा प्रोटोकॉल पूरी तरह ध्वस्त होने के कारण राहत दल लगातार मिसाइल और हवाई हमलों की चपेट में आ रहे हैं। इसके बावजूद स्वास्थ्यकर्मी और स्वयंसेवक अग्रिम मोर्चों पर अपनी सेवाएं जारी रखे हुए हैं।

2003 बगदाद बम विस्फोट की याद: 22 पीड़ितों के सम्मान में यूएन

विश्व मानवीय दिवस की नींव ऐतिहासिक रूप से 19 अगस्त 2003 को इराक की राजधानी बगदाद स्थित संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय पर हुए आतंकी हमले से जुड़ी है। इस भीषण कैनाल होटल बम विस्फोट में 22 यूएन कर्मियों की दर्दनाक मौत हुई थी।

न्यूयॉर्क में आयोजित विशेष स्मरण सभा

न्यूयॉर्क स्थित संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में इस हमले के पीड़ितों के सम्मान में एक गरिमामयी श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस सभा में उस भयानक हादसे में जीवित बचे कुछ पूर्व कर्मचारियों ने भी भाग लिया और अपने संस्मरण साझा किए।

राहतकर्मियों के अदम्य साहस को नमन

स्मरण कार्यक्रम में प्रतिनिधियों ने कहा कि बगदाद की त्रासदी ने दुनिया को यह सिखाया कि निस्वार्थ सेवा करने वालों की हिफाजत सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। यह दिवस हर साल उन सभी शहीदों के बलिदान को अमर बनाता है।

स्थानीय सहायताकर्मियों पर सबसे बड़ा खतरा: ड्यूटी और घर दोनों

आंकड़ों के गहन विश्लेषण से एक अत्यंत चिंताजनक तथ्य सामने आया है कि हमलों का सबसे अधिक शिकार अंतरराष्ट्रीय कर्मियों के बजाय स्थानीय (नेशनल) कर्मचारी हो रहे हैं।

ड्यूटी और आवास पर लक्षित हमले

वर्ष 2024 और 2025 में जान गंवाने वाले अधिकांश कर्मी अपने ही गृह क्षेत्रों में सेवाएं दे रहे थे। इन पर या तो ड्यूटी के दौरान राहत सामग्री बांटते समय हमले किए गए, या फिर उन्हें उनके घरों में परिजनों के साथ निशाना बनाया गया।

>> कर्तव्य स्थल पर जोखिम:राहत काफिलों और अस्थायी क्लीनिकों पर निरंतर गोलाबारी।

>> पारिवारिक असुरक्षा:रात के समय आवासीय परिसरों पर हवाई हमलों का खतरा।

>> संसाधनों की कमी:स्थानीय कर्मचारियों के पास बुलेटप्रूफ जैकेट और सुरक्षित शेल्टर का अभाव।

प्रशासनिक और वित्तीय नियमों में सुधार की तरह ही सहायता मिशनों की नीतियों में बदलाव समय की मांग है। देश-दुनिया के नीतिगत बदलावों को समझने के लिएनिवंबर के 6 बड़े बदलाव: बैंक नॉमिनी से लेकर गैस-फास्टैग तक, जानें सबसे संबंधित विवरण चेक कर सकते हैं।

मध्य पूर्व में चिंताजनक हालात: संयुक्त राष्ट्र ने कहा- दुनि

मध्य पूर्व के संघर्षग्रस्त इलाकों इसराइल के कब्ज़े वाले फलस्तीनी क्षेत्र (OPT), सीरिया, यमन और लेबनान में मानवीय संकट विकराल रूप धारण कर चुका है। यूएन समन्वयकों ने एक संयुक्त बयान में गहरी व्यथा व्यक्त की है।

446 सहायताकर्मियों पर हमले और अपहरण की घटनाएं

अगस्त 2024 से अब तक इस पूरे क्षेत्र में कम से कम 446 मानवीय सहायताकर्मी या तो मारे गए हैं, गंभीर रूप से घायल हुए हैं, अथवा उनका अपहरण कर उन्हें अवैध हिरासत में रखा गया है।

वैश्विक समुदाय की उदासीनता पर सवाल

संयुक्त राष्ट्र के रेज़िडेंट और मानवीय समन्वयकों ने मंगलवार को जारी साझा बयान में साफ कहा, दुनिया मानवीय सहायता कार्यकर्ताओं और उनकी निःस्वार्थ सेवा पर निर्भर असहाय नागरिकों को पूरी तरह निराश कर रही है।

व्यापार और वैश्विक सहयोग के विभिन्न आयामों को जानने हेतुभारत-पोलैंड MSME सहयोग: डिजिटल परिवर्तन और नवाचार पर नया जोर, जानिए कैसे बदलेगी कारोबार की तस्वीरपर विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

मानवता के रक्षकों की सुरक्षा जरूरी: अंतरराष्ट्रीय कानून के प

संयुक्त राष्ट्र ने दुनिया भर की सरकारों और सदस्य देशों से अपील की है कि वे युद्ध अपराधों को अंजाम देने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करें और जवाबदेही तय करें ताकि दंडमुक्ति की संस्कृति समाप्त हो सके।

मानवता की रक्षा करने वालों की रक्षा का वैश्विक आह्वान

यूएन अधिकारियों ने जिनीवा और न्यूयॉर्क से एक सुर में अंतरराष्ट्रीय समुदाय से गुहार लगाई कि वे मानवीय कार्यकर्ताओं की ढाल बनें। अगर राहतकर्मी ही सुरक्षित नहीं रहेंगे, तो भुखमरी और महामारी के शिकार करोड़ों लोगों को बचाना असंभव हो जाएगा।

अटूट संकल्प: ख़तरों के बावजूद पीछे नहीं हटेंगे

OCHA प्रमुख टॉम फ्लैचर ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि मानवीय कार्यकर्ता वहां उम्मीद जगाते हैं जहां घोर निराशा होती है, और अमानवीयता के बीच मानवता का संचार करते हैं। तमाम खतरों और शहादतों के बावजूद संयुक्त राष्ट्र और उसके सहयोगी राहत अभियानों से पीछे नहीं हटेंगे।

निष्कर्ष

विश्व मानवीय दिवस 2026 और उससे पूर्व के आंकड़े यह स्पष्ट संदेश देते हैं कि युद्ध और आपदा में फंसे लोगों की सेवा करना केवल एक कार्य नहीं, बल्कि सर्वोच्च बलिदान है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय को अब केवल शोक व्यक्त करने के बजाय ठोस सुरक्षा तंत्र और सख्त अंतरराष्ट्रीय कानून लागू करने की आवश्यकता है ताकि कोई अन्य राहतकर्मी हिंसा की भेंट न चढ़े।

महत्वपूर्ण प्रश्न और उत्तर

विश्व मानवीय दिवस (World Humanitarian Day) प्रत्येक वर्ष 19 अगस्त को मनाया जाता है। यह दिवस संकटग्रस्त इलाकों में लोगों की जान बचाने वाले राहतकर्मियों के साहस को समर्पित है।

संयुक्त राष्ट्र के आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2025 के पहले आठ महीनों में 14 अगस्त तक कुल 265 मानवीय सहायताकर्मी विभिन्न संघर्षों में अपनी जान गंवा चुके हैं।

19 अगस्त 2003 को बगदाद (इराक) स्थित संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में हुए भीषण बम विस्फोट में 22 राहतकर्मियों की मौत हो गई थी, जिसकी याद में यूएन महासभा ने यह दिवस घोषित किया।

ग़ाज़ा पट्टी लगातार दूसरे वर्ष मानवीय सहायताकर्मियों के लिए विश्व का सबसे घातक स्थान बना हुआ है, जहां अक्टूबर 2023 से अब तक 520 सहायताकर्मी मारे जा चुके हैं।

UNRWA फलस्तीनी शरणार्थियों के लिए संयुक्त राष्ट्र की विशेष राहत एजेंसी है। ग़ाज़ा में जान गंवाने वाले 520 सहायताकर्मियों में से अधिकांश इसी एजेंसी के समर्पित कर्मचारी थे।

OCHA के प्रमुख टॉम फ्लैचर हैं। उन्होंने कहा कि सहायताकर्मी आशा और मानवता का संचार करते हैं और भारी जोखिमों व हमलों के बावजूद मानवीय मिशन कभी पीछे नहीं हटेंगे।

अगस्त 2024 से मध्य पूर्व (सीरिया, यमन, लेबनान और OPT) में 446 से अधिक सहायताकर्मी या तो मारे गए हैं, घायल हुए हैं अथवा उन्हें बंधक बनाकर हिरासत में लिया गया है।

संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के अनुसार, मारे गए अधिकांश सहायताकर्मी संबंधित देशों के स्थानीय (राष्ट्रीय) कर्मचारी थे, जिन्हें ड्यूटी या उनके घरों में निशाना बनाया गया।

हां, जेनेवा कन्वेंशन और अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून के तहत युद्ध क्षेत्र में निहत्थे सहायताकर्मियों और राहत परिसंपत्तियों पर हमला करना गंभीर युद्ध अपराध की श्रेणी में आता है।

हां, संयुक्त राष्ट्र की आधिकारिक वेबसाइट और OCHA पोर्टल पर Aid Worker Security Report की विस्तृत PDF रिपोर्ट और सूची उपलब्ध है, जिसे ऑनलाइन चेक किया जा सकता है।

इच्छुक व्यक्ति UN Volunteers (UNV) के आधिकारिक पोर्टल पर जाकर विभिन्न मानवीय अभियानों के लिए ऑनलाइन प्रोफाइल बनाकर apply online प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं।